632

# MASA-04

## June - Examination 2017

## MA (Previous) Sanskrit Examination

## भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

## Paper - MASA-04

**Time : 3 Hours ]** **[ Max. Marks :- 80**

**Note:** The question paper is divided into three sections. A, B and C. Write answer as per the given instructions.

**निर्देश :** यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

### Section - A $8 \times 2 = 16$

(Very Short Answer Type Questions)

**Note:** Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum upto 30 words. Each question carries 2 marks.

### खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) विश्वनाथ कविराज विरचित ग्रन्थका नाम क्या है?

(ii) नाट्यशास्त्र के प्रणेता कौन हैं?

(iii) साहित्यदर्पण में कितनी शब्द शक्तियाँ मानी गई हैं?

(iv) नाट्यशास्त्र में कितने अध्याय हैं?

(v) रससूत्र के सम्बन्ध में श्री शंकुक का सिद्धान्त किस नाम से प्रचलित है?

(vi) भामह के अनुसार काव्य का लक्षण क्या है?

(vii) औचित्य सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक कौन हैं?

(viii) साहित्यदर्पण के तृतीय परिच्छेद का नाम बताइये।

## Section - B $4 \times 8 = 32$

(Short Answer Type Questions)

**Note:** Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 08 marks.

## (खण्ड – ब)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 08 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी में कीजिए।

(i) विरतास्वभिधाद्यासु ययाऽर्थो बोध्यते परः।
सा वृत्तिव्यञ्जनानां शब्दस्यार्थादिकस्य च।।

(ii) लोकोत्तरचमत्कारप्राणः कैश्चित्प्रमातृभिः
स्वाकारवदाभिन्नात्वेनायमास्वाद्यते रसः।।

3) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(i) आशीर्वचन संयुक्ता स्तुतिर्यस्मात् प्रयुज्यते
देवद्विजनृपादीनां तस्मान्नान्दीति संज्ञिता।।

(ii) कूर्मपृष्ठं न कर्तव्यं मत्स्य पृष्ठं तथैव च।
शुद्धादर्शतलाकारं रंगशीर्षं प्रशस्यते।।

4) निम्न में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(i) धर्मार्थ काम मोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च।
करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधुकाव्यनिबन्धम्।।

(ii) सर्गबन्धो महाकाव्यं महताञ्च महच्च यत्।
अग्राम्य शब्द्यमर्थ्यञ्च सालंकारं सदाक्षयम्।।

5) किन्ही 2 शब्दों की सिद्धि कीजिए।

(i) स्थापयति

(ii) बुभूषति

(iii) पुत्रीयति

(iv) कण्डूयति

6) अभिधा मूला व्यञ्जना को स्पष्ट कीजिए।

7) भट्टनायक द्वारा प्रणीत भुक्तिवाद को स्पष्ट कीजिए।

8) भरत मुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र का परिचय दीजिए।

9) भामह के अनुसार कथा एवम् आख्यायिका के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

## Section - C $2 \times 16 = 32$

(Long Answer Type Questions)

**Note:** Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 16 marks.

## (खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) साहित्य दर्पण के अनुसार लक्षणा शब्दशक्ति का विस्तृत वर्णन कीजिए।

11) विश्वनाथ कविराज के काव्यलक्षण की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

12) नाट्यशास्त्र के अनुसार विकृष्ट नाट्यमण्डप की समीक्षा कीजिए।

13) भामह के अनुसार काव्यदोषों पर प्रकाश डालिए।